आधाफ़ुल के कारनामों की और भी हैं कहानियां।

सारी पढ़ डालो, एक भी कहानी छूट न जाए।

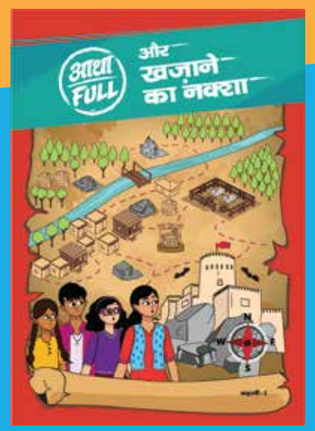

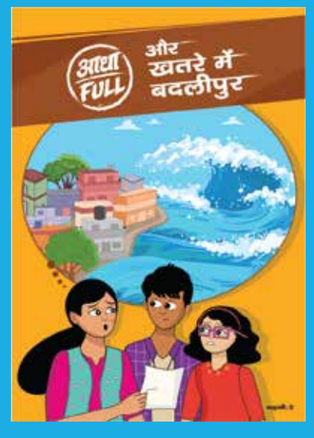

Developed and created by **BBC Media Action**
with support from **UNICEF, DOVE** and **the Centre for Appearance Research**

आधा FULL और बोलती चट्टान

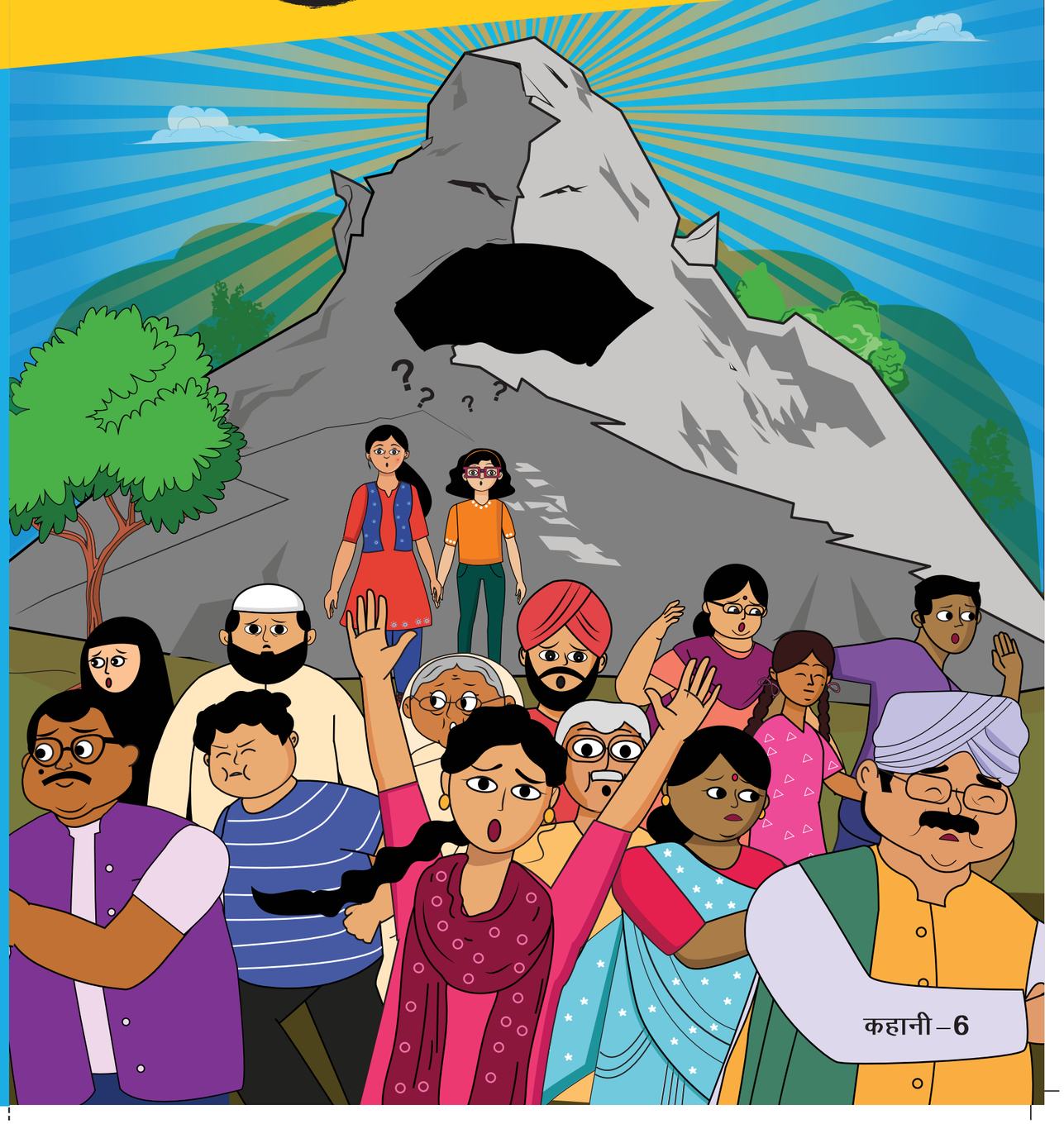

- नाम : किट्टी
- उम्र : 16 साल
- कक्षा : ग्यारहवीं
- गुण : जोश भी है और होश भी
- *किट्टी के लिए कुछ भी इंपोसिबल नहीं

किट्टी

बदलीपुर की 'टीम' आधाफ़ुल

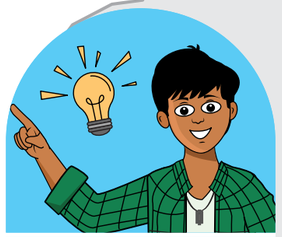

- नाम : अदरक
- उम्र : 15 साल
- कक्षा : सातवीं के बाद स्कूल छोड़ दिया
- गुण : एक नंबर का जुगाड़ू
- *अदरक के पास तरकीब की भरमार है।

अदरक

- नाम : तारा
- उम्र : 12 साल
- कक्षा : सातवीं
- गुण : जानकारी की चलती फिरती किताब
- *तारा कभी झूठ नहीं बोलती

तारा

तीनों बदलीपुर में रहते हैं। तीनों को जासूसी करने का बड़ा शौक है।
बदलीपुर में कुछ भी होता है तो तीनों पहुँच जाते हैं केस को सुलझाने।
इन तीनो ने मिलकर एक टीम बनाई है जिसका नाम है, आधाफ़ुल।

सब लोग कहते थे कि बदलीपुर की पहाड़ी वाली चट्टान में एक दानव रहता है।
एक दिन उसी चट्टान पर कुछ लिखा मिला।

बदलीपुर वालों, मैं चट्टान दानव हूँ। मैं सबको खा जाऊंगा।

आज चट्टान दानव बोलेगा

चट्टान दानव को बोलता सुन, सब डर गए।

नहीं, हमने क्या बिगाड़ा? हमें छोड़ दो।

मैंने तो कुछ नहीं किया। मुझे जाने दो।

हमें छोड़ दो। मत मारो!

छोड़ दूंगा, लेकिन एक शर्त पर।

आज चट्टान दानव बोलेगा

क्या शर्त?

सवाल पूछूंगा चार, अगर गलत जवाब आया एक भी बार, तो बर्बादी के लिए रहना तैयार।

आज चट्टान दानव बोलेगा

जाने क्या पूछेगा। आज तो शामत आयी।

यह सुनकर सब बच्चे किट्टी के पास आये।

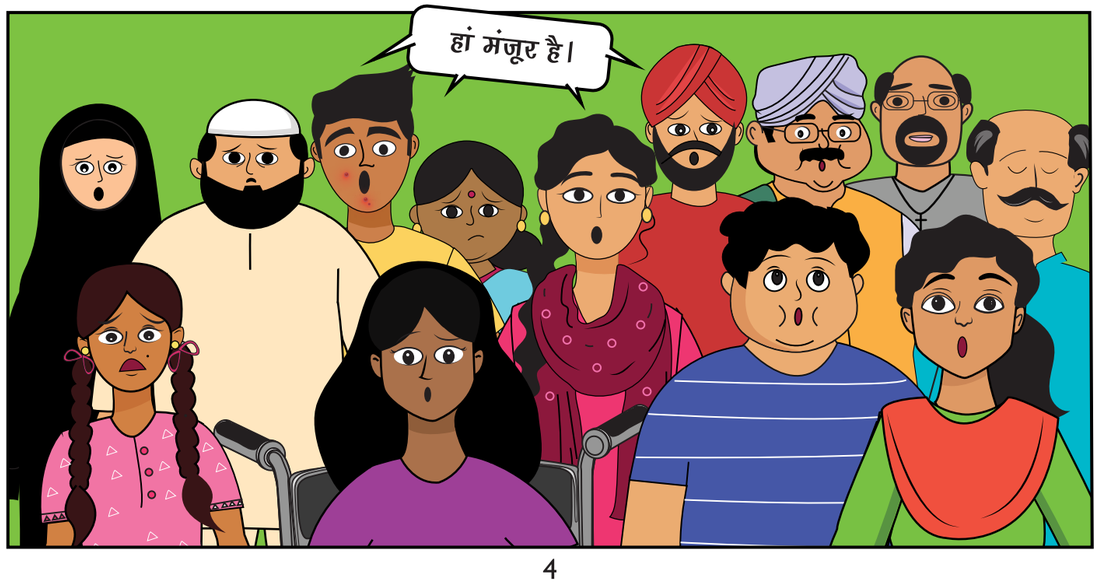

फिर चट्टान दानव ने सवाल पूछना शुरू किया।

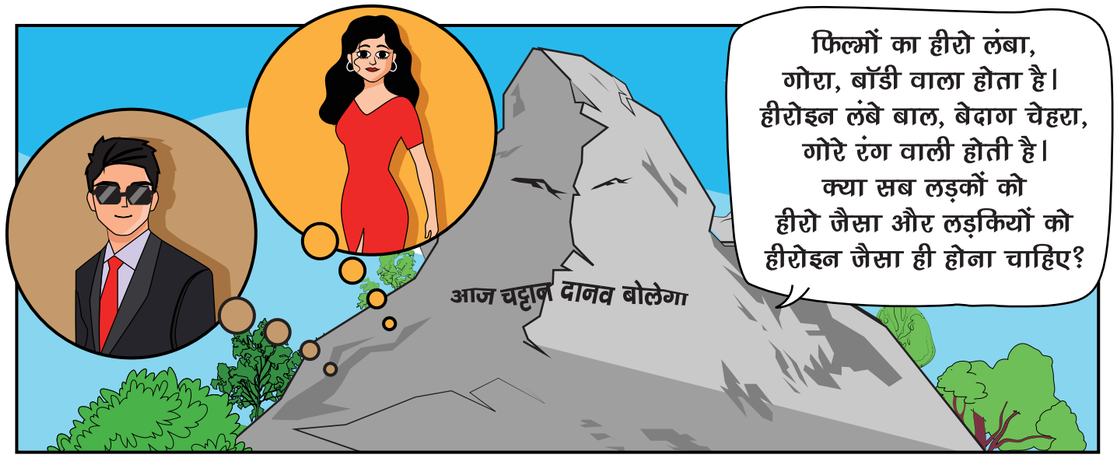

सब जवाब सोचने लगे।

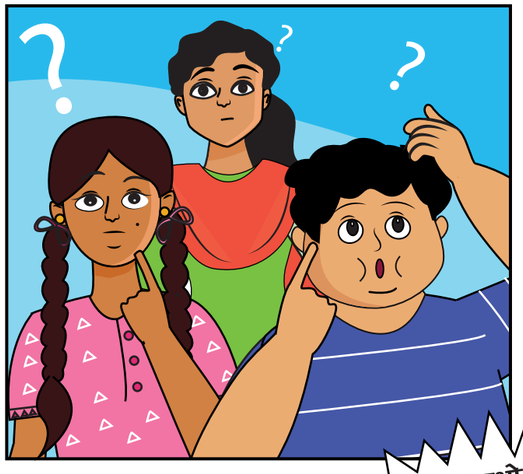

पायल और अभय एक साथ बोल पड़े।

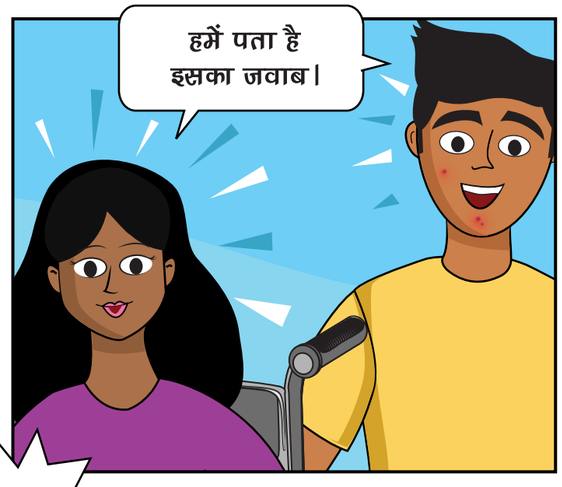

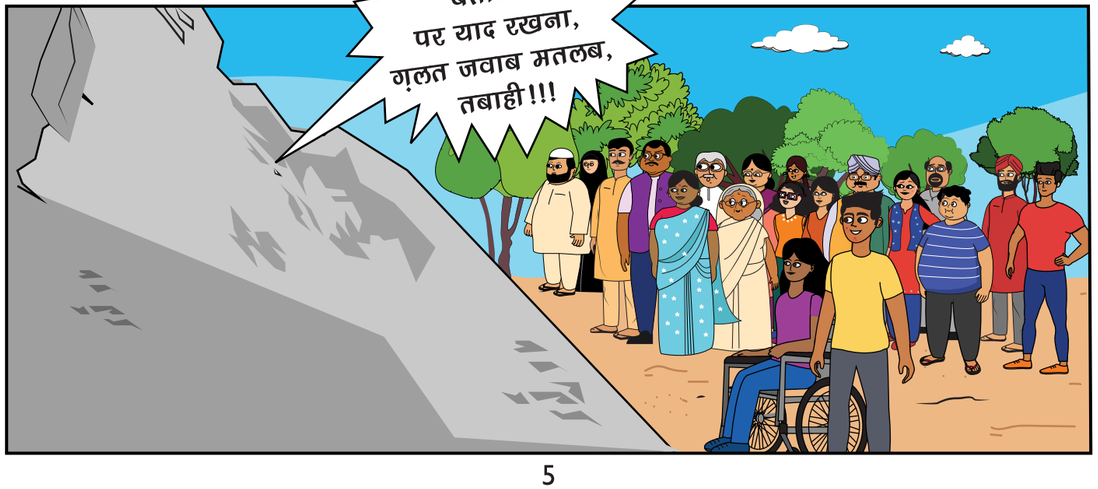

नहीं होना चाहिए। क्यों होना है हीरो जैसा बॉडी वाला? मैं तो एकदम ओरिजिनल हूँ, किसी के जैसा नहीं, बस खुद के जैसा। जो जैसा है, ठीक है।

गोरे होने से क्या होगा! मुझ पर भी प्रेशर था। पर फिर मैंने सोचा, असली चीज़ तो गुण हैं। जैसे मैं निशाना अच्छा लगाती हूं। तो टीवी वाली मॉडल के जैसा लगने के लिए क्यों टेंशन लूं और अपना समय, पैसा और मन की शांति बर्बाद करूं। सो जैसी हूं, अच्छी हूं।

सही जवाब।

याहू हो हो हो हो याहू

अभी 3 सवाल बाकी हैं।

आज चट्टान दानव बोलेगा

पूछो।

विज्ञापनों और फिल्मों में दिखने वाले हीरो ऐसे क्यों दिखते हैं?

मेकअप के कारण। ताकि अच्छे दिख कर विज्ञापन के ज़रिये अपना माल बेच सकें। लेकिन ये तस्वीरें जो दिखाती हैं, वो सच नहीं होता और उनमें काफी बदलाव लाया जाता है। उनकी तरह दिखना संभव नहीं है। इसलिए हमें उनके जैसा दिखने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

सही जवाब।

शाबाश रानू।
तूने तो आज बचा लिया सबको।
चैंपियन निकली तू तो।

ये बात तो तुम ही ने
सिखाई थी किट्टी।

खामोश। अब अगला सवाल सुनो।
राम ने श्याम को देखा और सोचा, वाह!
क्या बॉडी है, क्या बाल हैं! मेरे तो ऐसे नहीं है।
क्या राम को ऐसी तुलना करनी चाहिए, बोलो?

सुनो चट्टान दानव,
मैं भी हमेशा अपनी तुलना
खूबीलाल से करता था और
सोचता था कि मुझ में
कुछ कमी है।

मैंने सोचा, मैं खूबीलाल से खुद की
तुलना क्यों करूं और उदास रहूं।
रंग-रूप की तुलना करना व्यर्थ है।
मैं जैसा हूं ठीक हूं और
अपने में खुश हूं।

विवेक तो अलग
कहानी सुना रहा है,
जवाब तो दिया नहीं।

शाबाश विवेक।
तुमने एकदम
ठीक किया।

आज चट्टान दानव बोलेगा

सब एक जैसे नहीं हो सकते।
किसी और से तुलना करके खुद को
क्यों परेशान करना।
सब अपने आप में ख़ास हैं।

वाह! क्या जवाब दिया है।
अब आखिरी सवाल पूछता हूँ।

मैंने किसी से पूछा कि
क्या तुमने वजन कम किया है?
बहुत अच्छे लग रहे हो।
क्या मैंने यह पूछकर सही किया?

क्यों पूछा तुमने? गलत बात।
इतने बड़े दानव हो,
इतना भी नहीं पता कि
लुक्स को लेकर कमेंट करने से
क्या होता है।

अरे ये क्या कर रहा है?
दानव को क्यों डांट रहा है?

दानव गुस्सा
हो गया तो!

खूबीलाल का जवाब सुनकर चट्टान दानव बोल पड़ा।

लगता है
तुमको जान की
परवाह नहीं है।
मुझसे ऐसे बात
कर रहे हो।

आज चट्टान दानव बोलेगा

खूबीलाल का जवाब अभी पूरा नहीं हुआ था।

अरे एक तो ग़लत काम करते हो,
ऊपर से मुझे धमका रहे हो! मेरे साथ हो चुका है ऐसा।
मेरे चाचा ने बॉडी की तारिफ की तो मैं लुक्स को लेकर
टेंशन लेने लग गया और मुझ पर अच्छा दिखने का प्रेशर
बढ़ गया। सारा टाइम आइने के सामने ही लगा रहता।
पढ़ाई-लिखाई तक से मन छूट गया। मैं जितना भी
रूप-रंग को सुधारने की कोशिश करता, उतना ही बुरा
महसूस करता। यहां तक कि चाचा का कमेंट सुन कर
अदरक भी अपने लुक्स को लेकर परेशान हो गया।
पर जल्दी अक्ल आ गयी। दोबारा जब किसी ने
लुक्स पे अच्छा या बुरा कमेंट किया तो मैंने उसे टोका
और ऐसा करने से मना किया। तो चट्टान दानव, तुम भी
लुक्स को लेकर ना अच्छा ना बुरा, कैसा भी
कमेंट मत करना।

तू तो गज़ब लडका है रे।
सवाल के जवाब में पूरी कहानी सुना दी।
एकदम सही बात कही।

आज चट्टान दानव बोलेगा

हम जीत गए।

हाँ तुम जीत गए।
अब तो सारे बच्चों को जवाब पता चल गए।
पर सिर्फ याद करने से कुछ नहीं होगा,
इन सब पर अमल भी करना होगा।

मैं हमेशा हमेशा के लिए
बदलीपुर छोड़ के जा रहा हूँ।
जहां ऐसे चैंपियन रहते हैं,
वहां मेरा क्या काम।

आज चट्टान दानव बोलेगा

चट्टान दानव की बात सुन सब खुशी से झूम उठे।

देखो तुम्हारे बिना भी हमने
जवाब देके बदलीपुर को बचा लिया।
ये अदरक डर के मारे कहाँ
गायब हो गया?

यह सुनकर किट्टी और
तारा मुस्कुराते हैं।

तभी अदरक किट्टी तारा के पास आता है।

किट्टी, वाह! क्या तरकीब थी।
एक ही बार में पूरे बदलीपुर के
बच्चों को समझा दिया।

चट्टान दानव,
तुमको भी तो मज़ा आया होगा न
आवाज़ निकालने में।

*अदरक ही चट्टान के पीछे से
बोल रहा था। यह आधाफ़ुल की
तरकीब थी।

रूप-रंग की तुलना और शारीरिक बनावट से जुड़ी बातें हमारे समाज में आम हैं। लेकिन ऐसी बातें सब के लिए हानिकारक होती हैं और आदर्श रूप के दबाव को बढ़ावा देती हैं। ऐसी बातें लोगों के गुणों और रूचियों से उनका ध्यान बंटाती हैं। बॉडी टॉक सिर्फ उन लोगों के लिए हानिकारक नहीं होती जिनके लुक्स की प्रशंसा की जाती है, बल्कि उनके आस-पास के लोगों को भी नुकसान पहुंचाती है। जैसे उनको लगने लगता है कि उनमें कुछ कमी है जिसकी वजह से वो अपना सारा समय लुक्स की चिंता में बिता देते हैं।

हमारी आपकी प्लानिंग से पूरे बदलीपुर के बच्चों के मन से लुक्स की टेंशन खत्म हो गयी।

आधाफ़ुल ज़िंदाबाद।

समाप्त

कहानी की सीख

इस कहानी से आपने क्या सीखा?

स्टीरियोटाइप्स वर्षों से चले आ रहे हैं और सामाजिक होते हैं। ये लड़के-लड़कियों दोनों के लिए हानिकारक होते हैं और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने से रोकते हैं। यह ज़रूरी है कि लड़के-लड़कियों दोनों को आगे बढ़ने के समान अवसर दिये जाएं।

टीवी और विज्ञापनों में दिखाये गये आदर्श रूप के कारण हम उनकी तरह दिखने की कोशिश करते हैं जिससे हम दबाव महसूस करते हैं। जो हम टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं वो इसलिए दर्शाये जाते हैं ताकि हमें अपने और अपने लुक्स के बारे में बुरा लगे और हम वो सारी चीज़ें खरीदें जिससे हमें लगता है कि आदर्श रूप को प्राप्त किया जा सकता है। इसलिए, हम जो भी टीवी और विज्ञापनों में देखते हैं, उससे हमें अपनी तुलना नहीं करनी चाहिए। क्योंकि जो भी हम देखते हैं वो सच नहीं होता है और उसे पाया नहीं जा सकता है। उससे सिर्फ समय, पैसा और मन की शांति व्यर्थ होती है।

रूप-रंग की तुलना और शारीरिक बनावट से जुड़ी बातें हमारे समाज में आम हैं। लेकिन ऐसी बातें सब के लिए हानिकारक होती हैं और आदर्श रूप के दबाव को बढ़ावा देती हैं। ऐसी बातें लोगों के गुणों और रूचियों से उनका ध्यान बंटाती है। बॉडी टॉक सिर्फ उन लोगों के लिए हानिकारक नहीं होती जिनके लुक्स की प्रशंसा की जाती है, बल्कि उनके आस-पास के लोगों को भी नुकसान पहुंचाती है। जैसे, उनको लगने लगता है कि उनमें कुछ कमी है, जिसकी वजह से वो अपना सारा समय लुक्स की चिंता में बिता देते हैं।

अवश्य खेलें

नीचे चार वाक्य दिये गये हैं जो सारी कहानियों की सीख पर आधारित हैं। इन्हें ध्यान से पढ़ें और पूरा करें।

उदाहरणः हमें अपने गुणों पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि वो हमे अनोखा और अलग बनाते हैं।

Pledge 1

हम लड़के-लड़कियों से जुड़े हुए स्टीरियोटाइप नहीं मानेंगे क्योंकि...

Pledge 2

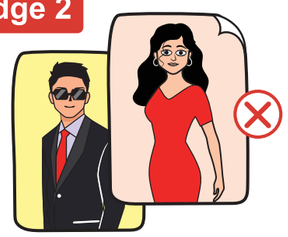

हम फिल्मस्टार्स और मॉडल्स की तरह दिखने की कोशिश नहीं करेंगे क्योंकि...

Pledge 3

हम अपने लुक्स की तुलना किसी दूसरे से नहीं करेंगे क्योंकि...

Pledge 4

हम लुक्स के बारे में ना अच्छे ना बुरे कमेंट करेंगे क्योंकि....

इच्छा हो तो यह भी खेलें

अब जो आपने सारी कॉमिक्स पढ़ ली हैं और ये संकल्प ले लिये हैं, तो ये बताइये कि आप ने जो इन कॉमिक्स से सीखा है, उनकी चर्चा आप अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ कैसे करेंगे।

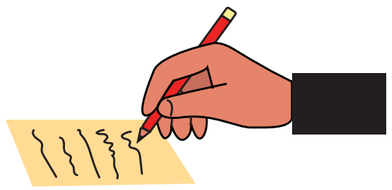

जैसे, क्या आप अपने चाचा को चिट्ठी लिख कर इन विषयों के बारे में बताएंगे,

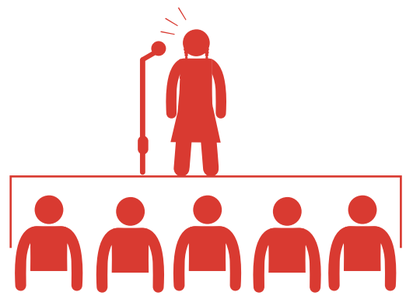

या आप अपने स्कूल में प्रार्थना सभा के दौरान सब बच्चों के साथ साझा करेंगे?